Mahila college Dalmianagar
Department of History
B.A III (Hons)
Dr. Anu Kumari
Date — 21/07/2024

Topic:

खानवा का युद्ध

जैसा कि हेग का मानना है कि पानीपत का लड़ाई ने अफगान सरदारों एवं राजपूतों दोनों की महत्वाकांक्षा को तीव्र कर दिया और अर भारत में साम्राज्य निर्माण के रास्ते खोल दिए। राजपूतों के विरुद्ध लड़े गए खानवा के युद्ध का मुख्य कारण भारत में बाबर का रहने का निश्चय था। दूसरे बाबर ने राणा साँगा पर आरोप लगाया कि उन्होंने भारत आने का निमंत्रण दिया था परन्तु इब्राहिम लोदी के विरुद्ध बाबर की सहायता नहीं की।

राणा साँगा एवं बाबर के बीच अंतिम का प्रदर्शन आगरा से 40 किमी दूर खानवा नामक स्थान पर 16 march, 1527 को हुआ। खानवा के युद्ध में राणा साँगा की ओर से हसन खाँ मेवाती, इब्राहिम लोदी का भाई महमूद लोदी, आलम खाँ लोदी तथा मेदनी राय ने हिस्सा लिया। इस विकट परिस्थिति में धैर्य का सहारा लेते हुए बाबर ने खानवा युद्ध के समय अपने सैनिको के मनोबल को ऊँचा

रखने के लिए जिहाद (धर्म युद्ध) का नारा दिया साथ ही जीवनभर शराब को पीने की कसम खाई। साथ ही मुसलमानों पर से तमगा (एक प्रकार का सीमा कर) उठा लिया। इस युद्ध ने सैनिकों में उत्साह जगा दिया तथा बाबर विजयी हुआ। बाबर ने खानवा के युद्ध में विजय प्राप्ति के बाद गाजी की उपाधि धारण की थी।

Scanned with CamScanner